उपराष्ट्रपति, भारत
संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि सितम्बर, 2007 में नई दिल्ली में 53वां राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मलेन आयोजित किया जा रहा है।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन ने साझे दृष्टिकोण व सहयोग के जरिए आम सरोकार के मुद्दों को सुलझाकर सदस्य देशों के लोकतंत्रों को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रमंडल देशों के सांसदों के लिए यह एक बहुत ही अच्छा अवसर है जहाँ वे सदस्य देशों में लोकतंत्र की दशा, विधिसम्मत शासन, सुशासन और मौलिक स्वतंत्रता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं, जो कि संसदीय लोकतंत्र की प्रभावोत्पादकता को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन हमारे लोकतान्त्रिक ताने-बाने को मज़बूत बनाने और लोक कल्याण के संवर्धन में एक सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

मैं इस सम्मेलन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली

5 सितम्बर, 2007